पाठ 5.3 : बूढ़ी पृथ्वी का दुख

निर्मला पुतुल

CH63DR

निर्मला पुतुल *का जन्म 6 मार्च सन् 1972 ई. को झारखंड के दुमका जिले में एक संथाली परिवार में हुआ। वे संथाली भाषा की प्रसिद्ध कवयित्री हैं और सामाजिक कार्यकर्त्ता भी हैं। साथ ही विलुप्त होती आदिवासी सभ्यता एवं संस्कृति के संरक्षण व संवर्द्धन के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, जो उनकी रचनाओं में परिलक्षित होता हैं। प्रस्तुत कविता आधुनिक सभ्यता के संदर्भ में होने वाले विकास एवं प्रगति पर कई प्रश्न उठाती है।*

क्या तुमने कभी सुनी है
सपनों में चमकती कुल्हाड़ियों के भय से
पेड़ों की चीत्कार?

कुल्हाड़ियों के वार सहते
किसी पेड़ की हिलती टहनियों में
दिखाई पड़े हैं तुम्हें
बचाव के लिए पुकारते हजारों–हजार हाथ?

क्या, होती है तुम्हारे भीतर धमस
कटकर गिरता है जब कोई पेड़ धरती पर?

सुना है कभी
रात के सन्नाटे में अँधेरे से मुँह ढाँप
किस कदर रोती हैं नदियाँ?
इस घाट अपने कपड़े और मवेशी धोते
सोचा है कभी कि उस घाट
पी रहा होगा कोई प्यासा पानी
या कोई स्त्री चढ़ा रही होगी किसी देवता को अर्घ्य?

कभी महसूसा है कि किस कदर दहलता है
मौन समाधि लिए बैठे
पहाड़ का सीना
विस्फोट से टूटकर जब छिटकता दूर तक कोई पत्थर?

सुनाई पड़ी है कभी भरी दुपहरिया में
हथौड़ों की चोट से
टूटकर बिखरते पत्थरों की चीख़?

ख़ून की उल्टियाँ करते
देखा है कभी हवा को,
अपने घर के पिछवाड़े में?

भाग–दौड़ की ज़िंदगी से
थोड़ा–सा वक्त चुराकर
बतियाया है कभी
कभी शिकायत न करने वाली
गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी से उसका दुख?

अगर नहीं,
तो क्षमा करना!
मुझे तुम्हारे आदमी होने पर संदेह है।

शब्दार्थ

धमस – ऐसी आवाज़ जो आपको भीतर तक हिला दे, (दिल दहलाने वाली आवाज़); **अर्घ्य देना** – देवताओं को जल चढ़ाना; **गुमसुम** – चुपचाप।

अभ्यास

पाठ से

1. पेड़ों के चित्कारने से आप क्या समझते हैं?
2. नदी मुँह ढाँप कर क्यों रो रही है?
3. गुमसुम बूढ़ी पृथ्वी कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करती। ऐसा क्यों कहा गया है?
4. ख़ून की उल्टियाँ करते देखा है कभी हवा को

   (क) इस पंक्ति में किस समस्या की ओर संकेत किया गया है?

   (ख) इस समस्या को कम करने के क्या–क्या उपाय किए जा सकते हैं?
5. कविता के अंत में कवयित्री ने आदमी के आदमी होने पर संदेह क्यों व्यक्त किया है?
6. पृथ्वी को बूढ़ी कहने का क्या तात्पर्य है?

पाठ से आगे

1. कविता के माध्यम से प्रकृति को नुकसान पहुँचाने वाली किन–किन समस्याओं को उभारा गया है? अपने शब्दों में लिखिए।
2. वर्तमान में पहाड़ों को लगातार तोड़ा जा रहा है या दोहन किया जा रहा है।

   (क) आपके अनुसार इसके क्या कारण हैं? लिखिए।

   (ख) इससे पर्यावरण में किस प्रकार का असंतुलन बढ़ रहा है? चर्चा कीजिए।
3. यदि सचमुच में पेड़, नदी और हवा बोल पाते तो वे अपनी पीड़ा किस प्रकार व्यक्त करते? अपने शब्दों में लिखिए।
4. हमारे आसपास किन–किन प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है? इन्हें रोकने में हमारी क्या भूमिका हो सकती है? लिखिए।
5. हमारी संस्कृति व परंपराओं में कई ऐसे उदाहरण मिलते हैं, जिनमें पेड़ों को बचाने के प्रयास नज़र आते हैं, जैसे पेड़ों को राखी बाँधना, गोद लेना और किसी न किसी व्रत व पर्व में उसकी पूजा करना आदि।

   क्या आपके परिवेश में पेड़ों से जुड़े पर्व या व्रत हैं? इनके बारे में जानकारी इकट्ठा कर निम्नलिखित सारणी में लिखिए।

पेड़ का नाम	इनसे जुड़े व्रत, पर्व	जुड़ी मान्यताएँ	फलदार हैं या नहीं	पत्तियों के बारे में
उदाहरण– पीपल	पितृ– अमावस्या	पूजा करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है।	फलदार है परंतु खाने के लिए उपयोगी नहीं	गहरे हरे रंग की, दिल के आकार की, चिकनी एवं जालीदार

भाषा के बारे में

1. कविता में पेड़ों, नदियों, पहाड़ों आदि को मानव के समान व्यवहार करते बताया गया है, जैसे पेड़ चीत्कार कर रहे हैं, नदी रो रही है, आदि।

   इस प्रकार के प्रयोग को 'मानवीकरण अलंकार' कहा जाता है।

   मानवीकरण अलंकार का प्रयोग जिन–जिन पंक्तियों में हुआ है, उन्हें छाँटकर लिखिए।

2. कविता में ऐसे शब्दों का प्रयोग हुआ है जिनमें स्थानीय/बोलचाल की भाषा का प्रभाव झलकता है। जैसे 'महसूसा' अर्थात् 'महसूस किया', 'बतियाया' अर्थात् बात की।

   इसी प्रकार के अन्य शब्दों को स्वयं से ढूँढ़कर लिखिए।

3. नीचे लिखे वाक्यों को पढ़िए–

(क) किस **कदर** रोती हैं नदियाँ।

(ख) हम आपकी बहुत **कदर** करते हैं।

दोनों वाक्यों में 'कदर' शब्द के अर्थ अलग–अलग हैं। पहले वाक्य में इसका अर्थ 'के समान' और दूसरे वाक्य में 'सम्मान/आदर' है। ऐसे शब्द जिनके एक से ज्यादा अर्थ होते हैं, उन्हें हम अनेकार्थी शब्द कहते हैं।

नीचे दिए गए शब्दों के अलग–अलग अर्थ स्पष्ट करने के लिए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

सीना, जीना, उत्तर, अंक, चरण

4. 'क्या' शब्द का प्रयोग करके बनाए गए प्रश्नवाचक वाक्यों को पढ़िए–

(क) क्या आप घर जा रहे हैं?

(ख) आपने नाश्ते में क्या खाया?

भाषा में प्रश्नवाचक वाक्य दो प्रकार के होते हैं : ''हाँ–ना'' उत्तरवाले प्रश्नवाचक वाक्य और सूचनाओं की अपेक्षा रखनेवाले प्रश्नवाचक वाक्य। पहलेवाले प्रश्नवाचक वाक्य का उत्तर हाँ/नहीं में ही होगा। इसमें क्या का प्रयोग हमेशा वाक्य के शुरू में ही होगा।

(क) 'हाँ–ना' उत्तरवाले पाँच प्रश्नवाचक वाक्य सोचकर लिखिए।

दूसरेवाले प्रश्नवाचक वाक्य के उत्तर में आपको कुछ न कुछ बताना होगा। इनके उत्तर में हमेशा नई सूचनाओं की उम्मीद रहती है। इन्हें सूचनाओं की अपेक्षा रखनेवाला प्रश्नवाचक वाक्य कहा जाता है। इनसे प्राप्त होने वाला उत्तर वाक्य में उसी स्थान पर आएगा जिस स्थान पर क्या का प्रयोग हुआ है।

जैसे– आपने नाश्ते में **क्या** खाया?

उत्तर : मैंने नाश्ते में **सेब** खाया।

ऐसे प्रश्नवाचक वाक्यों में **'क्या'** के अतिरिक्त **'कौन', 'कहाँ', 'कब', 'कितने', 'किसने'** आदि शब्दों का इस्तेमाल भी वाक्य में ठीक उसी स्थान पर होता है, जहाँ उसका उत्तर होता है। इसे एक उदाहरण द्वारा समझते हैं–

वाक्य : राम ने कल शाम अपने कमरे में दो सेब खाए।

प्रश्नवाचक वाक्य–

प्रश्न : **किसने** कल शाम अपने कमरे में दो सेब खाए?

उत्तर : राम ने

प्रश्न : राम ने **कब** अपने कमरे में दो सेब खाए?

उत्तर : कल शाम

प्रश्न : राम ने कल शाम **कहाँ** दो सेब खाए?

उत्तर : अपने कमरे में

प्रश्न : राम ने कल शाम अपने कमरे में **क्या** खाया?

उत्तर : सेब

प्रश्न : राम ने कल शाम अपने कमरे में **कितने** सेब खाए?

उत्तर : दो

(ख) इसी तरह से आप भी निम्नलिखित वाक्य से सूचनात्मक/प्रश्नवाचक वाक्य बनाइए।

वाक्य : हथौड़ों की चोट से भरी दुपहरिया में भी पत्थर चीख़ उठे।

योग्यता विस्तार

1. चिपको आंदोलन पर्यावरण रक्षा का आंदोलन है। इसे किसानों ने वृक्षों की कटाई का विरोध करने के लिए किया था। एक दशक से भी ज्यादा चले इस आंदोलन में भारी संख्या में स्त्रियों ने भाग लिया था। 'चिपको आंदोलन' के बारे में शिक्षकों से अथवा पुस्तकालय से और भी जानकारी इकट्ठा कीजिए तथा इस जानकारी को निम्न बिन्दुओं के अनुसार लिखिए–

   (क) यह आंदोलन कहाँ हुआ?

   (ख) इसके सूत्रधार कौन थे?

   (ग) इसके पीछे क्या सोच/विचार था?

   (घ) इसकी सफलता किस हद तक रही?

2. तेजी से बढ़ते शहरीकरण व औद्योगिकीकरण से किस प्रकार पर्यावरण प्रभावित हो रहा है? इस विषय पर समूह में चर्चा कीजिए।